मेरे गांडू जीवन की कहानी-17

“मैं अपने दोस्त के घर आया हुआ था उसका लौड़ा अपनी गांड में लेने. एक बार तो ट्यूबवेल के हौद में मेरी गांड चुद चुकी थी, अब रात को पूरी सुहागरात मनाने की तैयारी थी. मेरी गे सेक्स स्टोरी पढ़ कर मजा लें ! …”

Story By: हिमांशु बजाज (himanshubajaj)
Posted: शुक्रवार, जनवरी 5th, 2018
Categories: गे सेक्स स्टोरी
Online version: मेरे गांडू जीवन की कहानी-17

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे गांडू जीवन की कहानी-17

अभी तक मेरी गे सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि रवि के साथ खेत में घूमने गया जहां उसने टयूबवेल की हौद में मेरी गांड की चुदाई की।

वापस लौटते समय रास्ते में एक अखाड़े को देखकर मैंने रवि से रिक्वेस्ट की कि मैं उसे पहलवानी के लंगोट में देखना चाहता हूं तो उसने कहा कि अखाड़े में आस-पास के गांव से भी लड़के पहलवानी करने आते हैं और उसने इस शर्त पर मेरी रिक्वेस्ट मान ली कि मैं कुछ ऐसी-वैसी हरकत न करूं ताकि उसके दोस्तों को मेरे और रवि के रिश्ते के बारे में कोई शक न हो। ये सब बातें होने के बाद हम घर पहुंचे तो उसकी मां ने कहा कि भैंसों को नहलाने का टाइम हो गया है। हम भैंसों को नहलाने के लिए जोहड़ पर जा पहुंचे। जोहड़ पर जाकर रवि ने भैंसों को जोहड़ में उतार दिया।
रवि ने कहा- चल जोहड़ में उतरकर भैंसों को नहलाते हैं।

मैंने कहा- मैं जोहड़ में अंदर नहीं जाऊंगा, मुझे तो डर लगता है और ना ही मुझे तैरना आता है।
वो बोला- ठीक है, तू यहीं रह!
कह कर उसने डंडा एक तरफ फेंका और चप्पलें निकाल दीं. मैंने सोचा कि वो अकेला ही जोहड़ में जाने की तैयारी कर रहा है। मैं जोहड़ के पानी में तैर रही भैंसों को देखने लगा और अचानक पीछे से एक जोर का धक्का मेरी पीठ पर लगा और मैं छपाक की आवाज़ के साथ जोहड़ के पानी में जा गिरा.
मैं एकदम से हड़बड़ा गया और सांसों भर गया… जब कुछ पल बाद संभला तो रवि बाहर खड़ा ठहाका मारकर हंस रहा था और हंसते हुए बोला- आया मजा ?
मैंने कहा- यार… ये क्या बात हुई.. मैंने कहा था ना मुझे तैरना नहीं आता!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“तो मैं कौन सा डुबा रहा हूं तुझे ?”

पानी के नीचे की मिट्टी चिकनी थी, मैं खड़ा होने की कोशिश करता और फिर पैर फिसल जाता !

कुछ देर उसने ऐसे ही मज़े लिये… फिर मेरी तरफ हाथ बढ़ा दिया और मुझे बाहर की तरफ खींच लिया. वो बोला- देख मैं दिखाता हूं कैसे तैरते हैं…
कह कर उसने पीछे की तरफ पलटी मारी और पानी में गोता लगा दिया. कुछ सेकेण्ड्स तक तो वो मुझे दिखा ही नहीं। और जब दिखा तो मुझ से 20 फीट की दूरी पर जा कर… वो मछली की तरह अंदर ही अंदर तैरना जानता था। कुछ देर पानी में रहने के बाद वो बाहर आया, उसकी लोअर से पानी टपक रहा था और गीली लोअर में उसका लंड भी अलग से दिख रहा था।

क्योंकि टयूबवेल से आने के बाद उसने अंडरवियर नहीं पहना और हम सीधे जोहड़ पर ही आ गए थे। मैं उसकी टपकती लोअर में उसके लंड की शेप को ताड़ रहा था और वो मुझे देख रहा था। किनारे पर पहुंच कर बोला- देख क्या रहा है, आज रात तेरी गांड की मालिश करने वाला है ये !
रवि की बात सुन कर मैं मुस्कुरा दिया, और वो हड़ेड..हडेड.. की आवाजें करते हुए भैंसों को पानी से बाहर हांकने लगा।

5 मिनट बाद भैंसें पानी से बाहर आ गईं और हम घर की तरफ चल पड़े।

भैंसों को बांध कर हम घर आ गए जहां रवि के साथ मैंने खाना खाया था. शाम के 5 बज चुके थे और सूरज ढलना शुरु हो गया था, हम घर जा कर बारी बारी से नहा लिये और कपड़े बदल लिये। हुक्के के साथ वाले कमरे में रवि की माँ और पापा का कमरा था। मैंने रवि के पापा को देख कर दूर से ही नमस्ते की और हम वापस बैठक वाले कमरे में चले गए,

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

साथ ही हुक्का रखा हुआ था।
रवि ने चिलम को हाथ लगा कर देखा तो वो गर्म थी। मैं उसके सामने वाली चारपाई पर बैठा था, उसने एक लंबी घूंट हुक्के की भरी और सारा धुंआ मेरे मुंह पर मार दिया। मैं खांसते हुए हंसने लगा "क्या कर रहे हो ?" मैंने झेंपते हुए पूछा.
वो बोला- तुझे भी हुक्का पिला रहा हूं।
मैंने कहा- मुझे तुम्हारी जांघों के बीच में लटक रहा हुक्का ज्यादा पसंद है। वो पिला दो, जितना पिलाना चाहते हो।
रवि बोला- रात को वो हुक्का अपने मुंह में लेकर ही सो जाना।
मैंने कहा- और अगर मैंने उसे दांतों से काट लिया तो ?
वो बोला- वो तू देख ले, काटेगा तो दोबारा नहीं मिलेगा। अब ये तू ही डिसाइड कर ले कि एक बार लेना है उसके बाद भी लेना है।
मैंने कहा- तुम कितनी बार करोगे…
रवि बोला- जब तक तेरा मन ना भर जाए…
मैंने कहा- मेरा मन तो कभी तुम से भरता ही नहीं।
वो बोला- सोच ले बेटा… जब तेरी गांड में बिना तेल का मूसल (लौड़ा) जाएगा तो फिर रोना मत !
मैंने कहा- देख लेंगे, कौन कितने पानी में है.
वो बोला- ठीक है, रात को जब तेरी चीखें निकलेंगी तो तुझे खुद ही पता लग जाएगा।
मैंने कहा- ठीक है, मुझे इस रात का बेसब्री से इंतज़ार है।

वो बोला- क्यूं, मैं क्या तेरा लोग (पति) लगता हूं… ?
मैंने कहा- मेरी ऐसी किस्मत कहां कि तुम मुझे अपनी लुगाई (पत्नी) बना लो…
सुन कर वो हंस पड़ा, बोला- तू पागल है भोसड़ी के…
मैंने कहा- हां, पागल तो मैं हूं, लेकिन तुम्हारे प्यार में।
उसने हाथ जोड़ते हुए कहा- बस भाई… अब दोबारा शुरु मत हो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं एक बार तो उदास सा हुआ, फिर मुस्कुराते हुआ कहा- जो हुकुम मेरे आका…

तभी बाहर से आवाज़ आई…
“सीटू, रोटी खा ले.”
वो बोला- आया मां…
कह कर वो बाहर निकल गया, मैंने टाइम देखा तो 6.30 बज चुके थे।

10 मिनट बाद वापस आया तो उसके हाथ में वही रोटियों भरी थाली थी जिसमें बहुत सारा घी लगा हुआ था और साथ में दो बड़े कटोरे सब्जी के थे।
पीछे पीछे उसकी मां आई जिसके हाथ में दो बड़े ग्लास लस्सी के थे। ये सब रखते हुए उसकी माँ ने कहा- बेटा, अपना ही घर समझ… शर्माना मत, छिक के खाइये (पेट भर के खाना)
मैंने हल्के से मुस्काते हुए कहा- जी आंटी!
उसकी माँ वापस चली गई और हम रात का खाना खाने लगे।

जाटों में शाम के 6-7 बजे ही डिनर हो जाता है और 9 बजे बेड पर जाने का टाइम।
लेकिन आज बेड पर जाने का टाइम मेरे लिए बहुत भारी हो रहा था। रवि के साथ मेरी दूसरी सुहागरात होने वाली थी जिसकी तरफ बढ़ता हुआ एक एक पल मेरी धड़कन बढ़ा रहा था। ऐसा नहीं था कि मैं उसके साथ पहली बार सेक्स करने वाला हूं लेकिन पता नहीं क्यों उसके साथ कुछ करने के बारे में सोचते ही मेरी सांसें गहरी होने लगती थी और दिल में अजीब सी खुशी भी होती थी।

हमने खाना खाया और कुछ देर बाहर टहलने निकल गए। रास्ते में चलते हुए उसने मुझे अपने एक दो दोस्तों से भी मिलवाया।
जब तक हम वापस आए तो शाम के 8 बज चुके थे। हुक्के के साथ वाले कमरे में टीवी चलने की आवाज़ आ रही थी और दरवाज़ा ढला हुआ था। हमारे आने की आहट पाकर उस

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

की माँ ने अंदर से ही आवाज़ लगाई- सीटू, भैंसों को देख कर आ जा और वहां का गेट बंद करके आ जा !
रवि ने कहा- ठीक है मां.

रवि ने मुझ से कहा- तू यहीं रुक, मैं अभी 10 मिनट में आता हूं।
कह कर वो बाहर चला गया।
तब तक मैं उसके साथ सेक्स की बातें सोचने लगा।

आधा घंटा बीत गया लेकिन वो लौटा नहीं।

मैंने सोचा- 10 मिनट की कह कर गया था और अभी तक नहीं आया। मुझे उसके पास न होने से बेचैनी सी होती थी। लेकिन करता भी तो क्या..वहीं खाट पर लेटे हुए टाइम किल कर रहा था।
और 15 मिनट बीत जाने के बाद वो गेट की आवाज़ हुई… और वो कमरे में दाखिल हुआ, उसके हाथ में एक छोटा सा कागज़ का लिफाफा था जो उसने वहीं कमरे में बनी अलमारी में रख दिया।
मैंने पूछा- कहां रह गये थे।
वो बोला- कुछ नहीं, भैंसों को चारा डालने में टाइम लग गया।
कहते हुए उसने कमरे का दरवाज़ा बंद कर दिया और अंदर से कुंडी लगा ली।

कुंडी लगते ही मेरे मन में लड्डू फूटने लगे, मेरे मर्द के साथ सुहागरात का टाइम हो गया है।

उसने हुक्का एक तरफ कोने में रख दिया और साथ वाली चारपाई पर आकर लेट गया।
उसने सफेद लोअर पहनी हुई थी और काला हाफ बाजू का टी-शर्ट डाल रखा था जिसमें उसके सेक्सी मजबूत बालों भरे हाथों को छूने के लिए मचल रहा था। खाट (चारपाई) पर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लेटते ही उसके लंड में तनाव आना शुरु हो चुका था। जैसे ही मेरी नज़र उसके लंड पर गई उसके लंड ने भी ये भांप लिया कि मेरा छेद भी तैयार है और रवि के लंड ने लोअर में अपना आकार ले लिया और वो लोअर में ही तनकर अपनी पूरी शेप में आ गया।

अब मैं और इंतज़ार नहीं कर सकता था। रवि के बुलाए बिना ही मैं उठ कर उसकी चारपाई पर जाकर बैठ गया और लोअर में तने उस के लंड पर प्यार से हाथ फिराने लगा। मैं उस के चेहरे के हाव भाव देख रहा था जिसमें हवस और आनंद दोनों ही घुले हुए थे। उसने मेरे टी-शर्ट में हाथ डाल लिया और मेरी कमर को सहला रहा था।
2-3 मिनट तक उसके लंड को सहलाने के बाद उस के लंड में लग रहे झटकों के कारण उस का प्रीकम (कामरस) उस की लोअर पर दिखाई देने लगा और उस का लौड़ा पूरे उफान में आ कर किसी भारी भरकम मोटे डंडे की तरह मेरे हाथों में भरने लगा।

रवि ने अपना हाथ मेरी टीशर्ट से निकाला और मेरे सिर पर रख कर उसे नीचे झुकाते हुए सीधा अपनी लोअर में तने लंड पर मेरे मुंह को रखवा दिया। मैं उसकी लोअर की खुशबू और लोअर पर लंड के टोपे की जगह लगे प्रीकम को सूंघता हुआ उसे चाटने लगा।
उसने मेरे सिर पर हाथ का दबाव बढ़ाया और मैं उस के पूरे लंड पर अपने होंठ फिराने लगा। उस की सांसों की आवाज़ तेज़ होने लगी और हाथ का दबाव बढ़ता हुआ मेरे सिर को उसकी जांघों के बीच घुसाने लगा. मैं भी उस की लोअर के बीच वाले हिस्से को यहां वहां से चूमने-चाटने लगा। उस के लंड को सूंघता और उसे लोअर के ऊपर से ही दांतों के बीच पकड़ने की कोशिश करता।

हम दोनों का जोश हर पल बढ़ता जा रहा था। मैंने नज़रें उठा कर रवि के चेहरे की तरफ देखा तो उस के लाल होंठ हवस में सी सी कर रहे थे और आंखें बंद करके वो अपने लंड पर मेरे होठों की छुअन का आनंद ले रहा था।
मुझे भी उसके लंड के साथ खेलने में बहुत मजा आ रहा था। मैंने उसके टी-शर्ट को लोअर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

की इलास्टिक के पास से थोड़ा ऊपर उठाया तो उसके झाँटों के ऊपर वाले हिस्से के पास पेट पर बालों की खूबसूरत सी लकीर उस की नाभि से होती हुई उस की टीशर्ट में छाती की तरफ ऊपर जा कर छिप जा रही थी।

मैंने उस के पेट के बालों पर हल्के से किस करना शुरु किया तो उसकी सिसकारी निकल गई- इस्स्स्… स्सश!
वो बोला- क्या कर रहा है, गुदगुदी हो रही है मुझे।
मैंने उसके पेट पर अगल बगल में किस करना जारी रखा। वो तड़पता रहा, मचलता रहा।

फिर मैंने उसके दोनों हाथों को ऊपर की तरफ सीधा करवा दिया और उसके टी-शर्ट को छाती तक उठा दिया। उस की बालों वाली छाती पर निप्पलों के पास जाकर टीशर्ट फंस गया। मैंने रवि की मर्दाना बालों वाली छाती पर किस करना शुरु कर दिया। उसकी छाती के बीच वाले हिस्से को चूमने के बाद मैंने उस के निप्पलों पर होंठ रख दिए और उसके निप्पलों को चूसने लगा, लेकिन जल्दी ही उसने मुझे वहां से हटा दिया और थोड़ा ऊपर उठकर अपनी टी-शर्ट को निकाल कर साथ वाली चारपाई पर फेंक दिया।

उसकी छाती मेरे सामने नंगी थी, मैं उसकी छाती के बालों में होंठ फिराने लगा और धीरे-धीरे प्यार से किस करते हुए उसके गले के आगे वाले हिस्से को होठों के सहारे मुंह में भरकर चूसने लगा। उस पर अंदर ही अंदर जीभ फिराने लगा। वो कामुक सिसकियां ले रहा था-
अम्म्म्म… उम्म्ह… अहह… हय… याह… ऊंहहह… आह…
उसके हाथ मेरी गांड को चूचे समझ कर दबा रहे थे और उसका लंड मुझे अपने पेट पर झटके मारता हुआ अलग से महसूस हो रहा था।

कुछ देर गर्दन को किस करने के बाद मैंने उसके दोनों हाथों को पीछे की तरफ फैलवा कर सीधे करवा और उसके कांख (अंडरआर्म) के बालों वाला हिस्सा ऊपर आ गया। मैंने उसके अंडरआर्म में सूंघा तो उस के पसीने की मदहोश करने वाली खुशबू में मेरी आंखें बंद हो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गई। मैं उस के बालों को जीभ निकाल कर चाटने लगा। उसे भी मजा आ रहा था इस हरकत में। मैंने बारी बारी से दोनों अंडरआर्म के बालों को जी भर के चाटा और उस मर्द की जवानी का रस पीया।
अब बात हम दोनों के काबू से बाहर थी। वो मेरे मुंह में लंड देने के इंतज़ार में था और मैं उसके लंड को चूसने के लिए मरा जा रहा था।

मेरी गे सेक्स कहानी अगले भाग में जारी रहेगी.
जल्द ही लौटूंगा मैं अंश बजाज…
himbajanshu@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Clipsage

URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA

Savita Bhabhi Movie

URL: www.savitabhabhimovie.com **Site language:** English (movie - English, Hindi) **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated erotic movie.

Aflam Neek

URL: www.aflamneek.com **Average traffic per day:** 450 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site in intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Kambi Malayalam Kathakal

URL: www.kambimalayalamkathakal.com **Average traffic per day:** 31 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Stories **Target country:** India Daily updated hot erotic Malayalam stories.

Antarvasna Sex Videos

URL: www.antarvasnasexvideos.com **Average traffic per day:** 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire